

किलोग्राम पुं. (अं.) तौल की एक माप, एक हजार ग्राम का समानार्थक।

किलोमीटर पुं. (अं.) लंबाई और दूरी की माप के लिए प्रयुक्त होने वाला शब्द, एक हजार मीटर लंबाई के लिए एक किलोमीटर शब्द का प्रयोग होता है।

किलोल पुं. (तद्.) (कल्लोल शब्द के लिए प्रयुक्त)
1. लहर, तरंग 2. खेल की उछल कूद।

किलोलीटर पुं. (अं.) 1000 लीटर के माप के लिए प्रयुक्त माप शब्द।

किलोवाट पुं. (अं.) बिजली की माप के लिए प्रयुक्त दाशमिक प्रणाली का शब्द (1000 वाट)।

किल्लत स्त्री. (अं.) कमी, न्यूनता या अभाव।

किल्ला पुं. (तद्.) 1. पशुओं को बाँधने के लिए खूँटा 2. चक्की के बीच गड़ी मेख।

किल्ली स्त्री. (तद्.) छोटा किल्ला।

किल्बिष पुं. (तत्.) 1. पाप 2. बुराई 3. रोग।

किल्बिषी वि. (तत्.) 1. पापी 2. रोगी 3. विपद्ग्रस्त।

किवाँच पुं. (देश.) एक वनौषधि जिसके छूने से शरीर में खुजली होती है।

किवाड़ पुं. (तद्.) 1. कपाट, दरवाजा 2. दरवाजे के लिए लकड़ी का पल्ला।

किवाम पुं. (अर.) अवलेह, काढ़ा या चाशनी, किमाम।

किशमिश स्त्री. (फा.) एक मेवा, सुखाया हुआ अंगूर जिसमें बीज न हो।

किशमिशी वि. (फा.) किशमिश के रंग वाला, हल्का मीठा।

किशमिशी अंगूर पुं. (फा.) वह अंगूर जिसे सुखाकर किशमिश बनाई जाती है, किशमिश वाला अंगूर।

किशलय पुं. (तद्.) 1. वृक्ष का नया कोमल पत्ता 2. नव अंकुर, नया कल्ला, इसे किसलय भी कहते हैं।

किशोर पुं. (तत्.) 11 वर्ष से 15 वर्ष की अवस्था का बालक।

किशोरावस्था स्त्री. (तत्.) 11 से 15 वर्ष के बीच की अवस्था।

किशोरी स्त्री. (तत्.) 1. वह बालिका जिसकी आयु 11 से 15 वर्ष के बीच की हो।

किश्त स्त्री. (फा.) 1. शतरंज के खेल में बादशाह का किसी मोहरे की घात में पड़ जाना, शह 2. खेती, कृषि 3. नियमित अंतराल पर होने वाला भुगतान।

किश्तकार पुं. (फा.) किसान, काश्तकार।

किश्तकारी स्त्री. (फा.) खेती का काम, कृषि कर्म।

किश्तजार पुं. (फा.) वह भू-भाग जहाँ चारों ओर हरे-भरे खेत हों।

किश्तवार पुं. (फा.) पटवारियों का एक कागज़ जिसमें खेतों के नंबर, रकबा आदि दर्ज रहता है।

किश्तिया वि. (फा.) संकर, किश्ती के आकार की।

किश्ती स्त्री. (फा.कश्ती) नाव।

किश्तीनुमा वि. (फा.कश्ती) नाव के आकार का जैसे- किश्तीनुमा टोपी।

किष्किंधा स्त्री. (तत्.) 1. किष्किंध पर्वतश्रेणी 2. किष्किंध पर्वत की गुफा 3. रामायण का एक कांड जिसमें बालि-सुग्रीव के किष्किंध देश का वर्णन है।

किस वि. (तद्.) कौन का वह रूप जो विभक्ति लगाने पर प्राप्त होता है जैसे- किस व्यक्ति को। किस शब्द के अंत में जब निश्चयार्थक 'ही' लगता है तब उसका रूप 'किसी' हो जाता है।

किसबत स्त्री. (अर. किस्वत) 1. कई खानों वाला वह थैला जिसमें नाई अपने औज़ार रखता है, नाई की पेटी 2. वस्त्र 3. लिबास, पोशाक।

किसम स्त्री. (फा.) दे. 'किस्म' यो. जैसे-किसम-किसम का, भाँति-भाँति का, अनेक प्रकार का।

किसलय वि. (तत्.) दल, नवपल्लव।